**Exam. Code : 216301**
**Subject Code : 5311**

# M.A. (Hindi) 1st Semester

## ADHUNIK HINDI KAVYA

## (Divediyugin Evam Chhayavaad)

## Paper—I

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

**नोट :—** प्रत्येक खण्ड से अनिवार्यत: एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

### खण्ड—क

1. निम्नलिखित काव्य अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :— 8+8=16

(अ) उस रुदन्ती विरहिणी के रुदन-रस के लेप से,
ओरे पाकर ताप उसके प्रिय-विरह-विक्षेप से,
वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हों विभूषण कर्ण के,
क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के ?

(ब) विषमता की पीड़ा से व्यत्त हो रहा स्पंदित विश्व महान,
यही दुख-सुख विकास का सत्य यही भूमा का मधुमय दान।
नित्य समरसता का अधिकार उमड़ता कारण जलधि समान,
व्यथा से नीली लहरों बीच बिखरते सुख-मणिगण द्युतिमान।



Scanned with CamScanner

2. निम्नलिखित काव्य अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :— 8+8=16

(स) निरख सखी, ये खंजन आए,
फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाए !
फैला उनके तन का आतप, मन ने सर सरसाए,
घूमें वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाए।

(द) तुम हो महान्, तुम सदा हो महान्
है नश्वर यह दीन भाव,
कायरता, कामपरता।
ब्रह्म हो तुम
पद-रज-भर भी है नहीं
पूरा यह विश्व-भार ... "
जागो फिर एक बार !

## खण्ड—ख

3. 'साकेत' के महाकाव्यत्व पर विचार कीजिए। 16

4. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 16

## खण्ड—ग

5. 'कामायनी' की अन्तर्वस्तु की विवेचना कीजिए। 16

6. 'कामायनी' की भाषा एवं शैली की समीक्षा कीजिए। 16

## खण्ड—घ

7. निराला की प्रयोगधर्मिता पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 16

8. 'राम की शक्तिपूजा' के कथ्य और शिल्प की विवेचना कीजिए। 16



Scanned with CamScanner